



सीएसआईआर-केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रुड़की CSIR-Central Building Research Institute, Roorkee

भवानिका CBRI Newsletter



खण्ड 35, अंक 4, अक्टूबर-दिसम्बर, 2015

Vol. 35, No. 4, October-December, 2015

प्रस्तुत अंक में.....

- | | |
|--|--------------|
| ■ श्री यादवेन्द्र पाण्डेय ने कार्यवाहक निदेशक, सीएसआईआर-सीबीआरआई का पदभार ग्रहण किया | 1 |
| ■ अनुसंधान प्रगति | 2 |
| ■ 'सब के लिए घर: सस्ते आवास हेतु उन्नत प्रौद्योगिकी' पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम | 6 |
| ■ सतर्कता जागरूकता सप्ताह | 8 |
| ■ संवाददाता सम्मेलन | 10 |
| ■ दिवाली मेला उत्सव | 12 |
| ■ संविधान दिवस | 12 |
| ■ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर | 12 |
| ■ राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी | 14 |
| ■ कार्मिक समाचार | 16 |
| ● सम्मेलन प्रतिभागिता | ● पदोन्नति |
| ● सेवानिवृत्ति | ● स्थानांतरण |
| ● निधन | |

In this Issue.....

- | | |
|---|-------------|
| ■ Sri Yadvendra Pandey takes over as Acting Director, CSIR-CBRI | 1 |
| ■ Research in Progress | 3 |
| ■ Training Course on 'Housing for All – Innovative Technology for Affordable Housing' | 7 |
| ■ Vigilance Awareness Week | 9 |
| ■ Press Meet | 11 |
| ■ Diwali Mela Celebration | 13 |
| ■ Constitution Day | 13 |
| ■ MoU Signed | 13 |
| ■ National Science Symposium | 15 |
| ■ Staff News | 16 |
| ● Conference Attended | ● Promotion |
| ● Superannuation | ● Transfer |
| ● Obituary | |

श्री यादवेन्द्र पाण्डेय ने कार्यवाहक निदेशक, सीएसआईआर-सीबीआरआई का पदभार ग्रहण किया

1 जुलाई, 1957 को जन्मे श्री यादवेन्द्र पाण्डेय ने 9 अक्टूबर, 2015 को सीएसआईआर-सीबीआरआई, रुड़की के कार्यवाहक निदेशक का पदभार ग्रहण किया। आप सीएसआईआर-केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान रुड़की में 1.2.1983 को वैज्ञानिक 'बी' के पद से अपने सेवाकाल को आरम्भ कर, पदोन्नति प्राप्त करते हुए 1.2.2010 को वैज्ञानिक 'जी' के पद पर पहुँचे। उन्होंने बी.एस.सी. (विद्युत इंजीनियरी) की उपाधि वर्ष 1978 में



Sri Yadvendra Pandey takes over as Acting Director, CSIR-CBRI

Sri Yadvendra Pandey, born on July 1, 1957, took over as Acting Director, CSIR-CBRI, Roorkee on October 9, 2015. Sri Pandey joined CSIR-Central Building Research Institute Roorkee as Scientist 'B' on 1.2.1983 and rose upto the level of Scientist 'G' on 1.2.2010. He did his B.Sc. (Electrical Engineering) in the year 1978 from Bhagalpur University, Bihar. His area of research is Instrumentation related to Natural Disaster Mitigation and Cultural Heritage Preservation. He has handled several prestigious projects on Landslide Instrumentation, Strong Motion Instrumentation,



भागलपुर विश्वविद्यालय, बिहार से प्राप्त की। उनके शोध का क्षेत्र प्राकृतिक आपदा न्यूनीकरण एवं सांस्कृतिक धरोहर संरक्षण संबंधी यंत्रीकरण है। उन्होंने भूस्खलन यंत्रीकरण, स्ट्रोंग मोशन यंत्रीकरण, भूकम्पीय सूक्ष्मक्षेत्र वर्गीकरण, धरोहर संरक्षण, जलवायु परिवर्तन आदि पर कई प्रतिष्ठित परियोजनाएं सम्पन्न की हैं।

डीएसएमए नेटवर्क स्थापित होने के पश्चात, जिसमें दिल्ली और आस-पास के क्षेत्रों की रीयल ग्राउण्ड मोशन टाइम हिस्ट्री संग्रह की गयी, उन्होंने सीबीआरआई में अनुसंधान का एक नया क्षेत्र शुरू किया जिसे उच्च प्राधिकारियों द्वारा मान्यता मिली। उन्होंने देश में पहली बार रीयल माइक्रोमीटर डाटा के आधार पर दिल्ली का नेचुरल फ्रीक्वेंसी एवं एम्प्लीफिकेशन मैप तैयार किया।

अनुसंधान प्रगति

लो ओजोन डिप्लेशन पोटेंशियल (0.01-0.5) उन्नत अग्निशमन प्रणाली का विकास

उद्देश्य:

- वाटर मिस्ट आधारित अग्निशमक का विकास।
- अग्नि शमन प्रणाली हेतु मूल्यांकन सुविधाओं का विकास

परियोजना में उपलब्धियाँ:

- डिस्चार्ज क्लस्टर में सूक्ष्म-आकार कणों का तुलनात्मक मूल्यांकन।
- वाटर मिस्ट प्रणाली हेतु अग्नि शमन प्रभाव पर आधारित संयोजनों का अनुकूलन।
- अग्नि विहीन “नो” फायर अवस्था में वाटर मिस्ट अग्निशमन प्रणाली के परस्पर प्रभाव की सीएफडी मॉडलिंग।
- वाटर मिस्ट प्रणाली का अग्नि शमन हेतु डिजाइन विवरण।
- श्रेणी ए/श्रेणी बी अग्नि हेतु पुष्ट परिणामों के आधार पर उन्नत सामग्री संयोजन एवं प्रणाली डिजाइन तैयार करना।

महत्वपूर्ण योगदान:

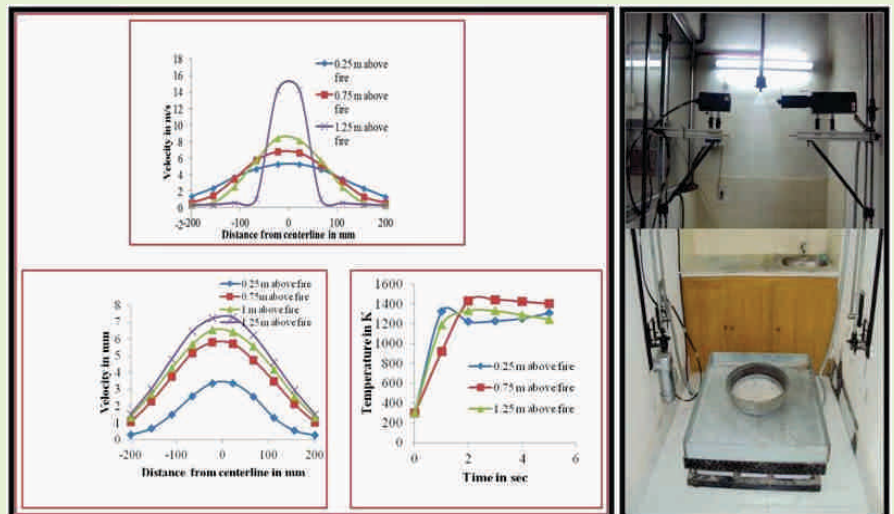
- वाटर मिस्ट प्रणाली की अग्नि शमन प्रभावकारिता पर आधारित संयोजनों के इष्टतमीकरण हेतु तथा विभिन्न भवन रिहायशों में विभिन्न श्रेणी की अग्नि जैसे श्रेणी 1-ए, श्रेणी 2-ए, श्रेणी 3-ए तथा श्रेणी 4-ए के प्रयोगशाला में वास्तविक अनुकरण हेतु श्रेणी ए वुडन क्राइब अग्नि पर आईएस: 15683-2006 के अनुसार डिस्चार्ज क्लस्टर में सूक्ष्म आकार कणों पर तुलनात्मक मूल्यांकन करने के उद्देश्य से नयी सुविधा विकसित एवं स्थापित की गयी।

□ “नो” फायर अवस्था में वाटर मिस्ट अग्नि शमन प्रणाली की कार्य पद्धति की सीएफडी मॉडलिंग:

“नो” फायर अवस्था में, 2मी(चौड़ाई)*3मी(लम्बाई)*2.75 मी(ऊँचाई) प्रायोगिक माप क्षेत्र में प्रयोग किए गए। जल मिश्रण नोजल, अग्नि स्रोत से 1.7 मीटर ऊपर स्थापित है। नोजल से 20 सेमी नीचे, 45 डिग्री के स्प्रे कोण से तथा कण नम्बर दर 2100000/सेकंड पर वाटर मिस्ट डाटा तैयार कर इसका आमापन किया गया। इस प्रायोगिक डाटा से, नो फायर अवस्था में वाटर मिस्ट अनुरूपण के रूप में अनुरूपण अध्ययन किए गए। नो फायर अवस्था में वाटर मिस्ट मॉडलिंग एवं सिमुलेशन के परिणाम क्षण आकृति 2 में दर्शाए गए हैं।



आकृति-1: वाटर मिस्ट प्रणाली की अग्नि शमन प्रभावशीलता पर आधारित संयोजनों के इष्टतमीकरण हेतु वुडन क्राइब क्लास “ए” अग्नि पर आईएस: 15683-2006 के अनुसार डिस्चार्ज क्लस्टर में सूक्ष्म आकार कणों पर तुलनात्मक मूल्यांकन करने के उद्देश्य से नयी सुविधा विकसित एवं स्थापित की गयी।



आकृति 2: “नो” फायर अवस्था में वाटर मिस्ट अग्नि शमन प्रणाली के प्रभाव की सीएफडी मॉडलिंग



Seismic Microzonation, Heritage Conservation, Climate Change etc. He started a new area of research in CBRI with the opening of DSMA network where real ground motion time histories were collected from Delhi and nearby areas which was duly recognized

by the higher authorities. He prepared natural frequency & amplification maps based on real microtremor data for Delhi for the first time in the country.



Research in Progress

Development of low Ozone Depletion Potential (0.01-0.5) innovative fire suppression system

Objectives:

- Development of water-mist based fire extinguisher
- Development of evaluation facilities for fire extinguishing system

Deliverables:

- Comparative evaluation of on micro-size particles in discharge cluster.
- Optimization of compositions based on fire suppression efficacy for water mist system.
- CFD Modeling of interaction of water mist fire suppression system under “NO” Fire condition.
- Design details for Fire Suppression System in respect of Water mist system.
- Preparation of innovative material composition and system design based on validated results for Class A/Class B fires.

Significant Contribution:

- New facility developed and added for optimization of compositions based on fire suppression efficacy for water mist system and comparative evaluation of on micro-size particles in discharge cluster as per IS:15683-2006 on Class A wooden-crib fires to experimentally simulate the realistic fires in various building occupancies, as: 1) Class 1A fires; 2) Class 2A fires; 3) Class 3A fires; and 4) Class 4A fires.

□ CFD Modeling of interaction of water mist fire suppression system under “NO” Fire condition:

Under “NO” fire condition, the experiments were conducted in the experimental domain size of 2m*3m*2.75 m. Water mist nozzle is located at 1.7 m above fire source. The water mist data generated and measured at 20 cm below the nozzle with a spray angle of 45 deg and a particle number rate of 21,00,000/s. With this experimental data, simulation studies were performed as water mist simulation for fire suppression under no fire condition. Results of water mist modelling and simulation under no fire condition are as shown in Fig. 2.

- ❖ Development of Innovative 50-Litre Capacity Water-Mist fire Extinguisher:



Fig. 1: New facility developed for optimization of compositions based on fire suppression efficacy for water mist system and comparative evaluation of on micro-size particles in discharge cluster as per IS:15683-2006 on Class A wooden-crib fires.

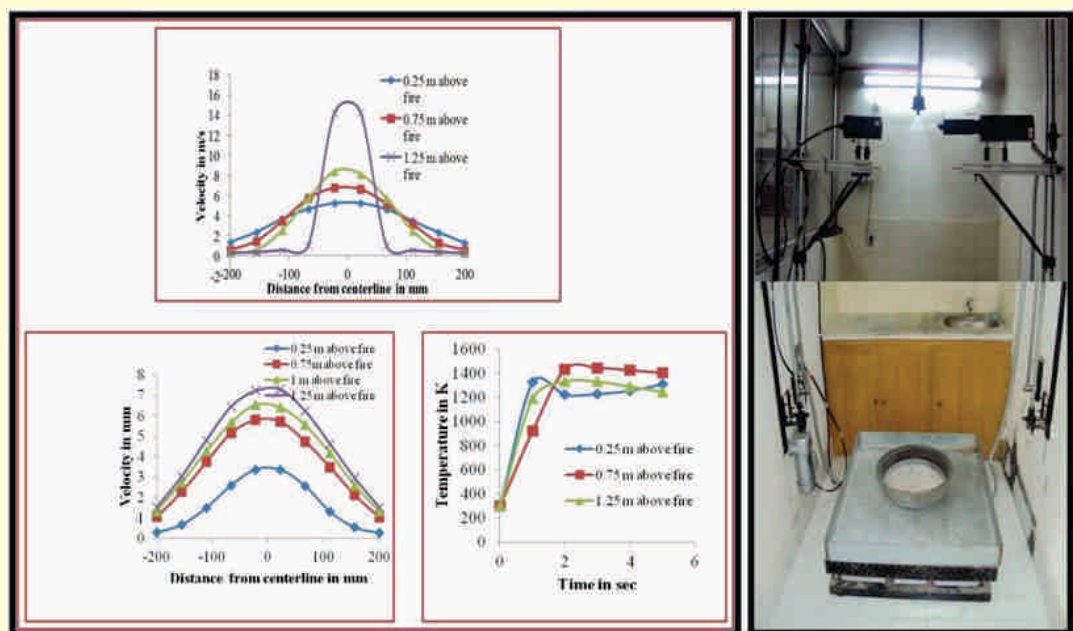
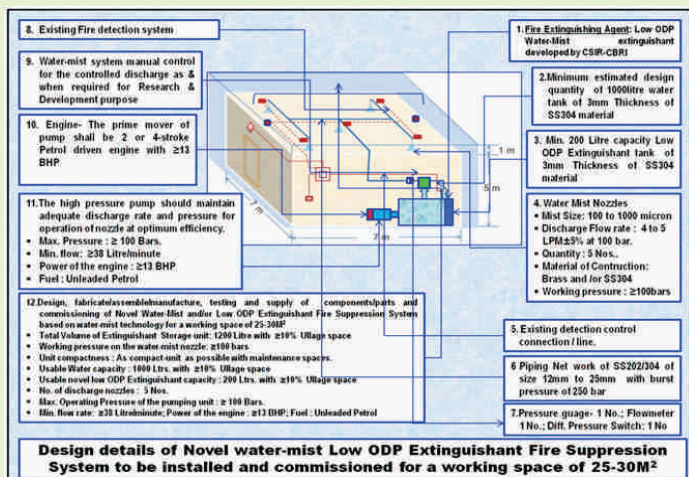


Fig. 2: CFD Modeling of interaction of water mist fire suppression system under “NO” Fire condition



आकृति 3: एक उन्नत 50 लीटर क्षमता युक्त वाटर मिस्ट अग्नि शामक

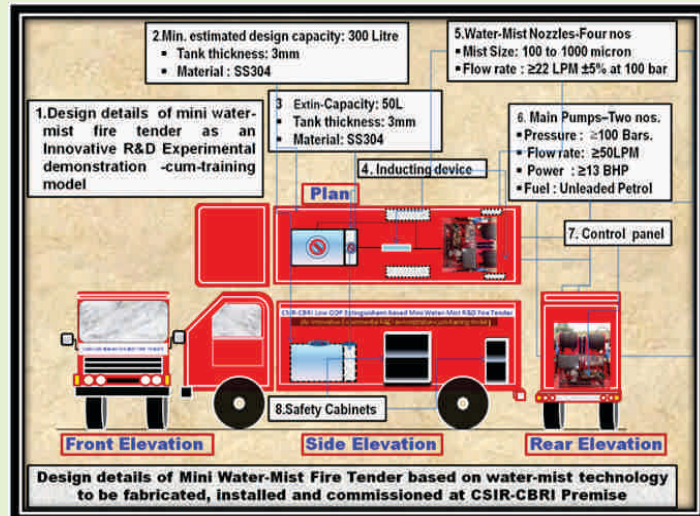
- ❖ उन्नत 50 लीटर क्षमता युक्त वाटर मिस्ट अग्निशामक का विकास बड़े स्तर पर लगी आग के लिए विकसित किया गया है, जैसा कि आकृति 3 में दर्शाया गया है।
- ❑ 25-30 घनमीटर कार्यक्षेत्र में स्थापित कर चालू करने हेतु नया वाटर मिस्ट एवं/अथवा लो-ओडीपी अग्निशमन प्रणाली के विकास हेतु डिजाइन विवरण, जैसा कि आकृति 4 में दर्शाया गया है।
- ❑ सीएसआईआर-सीबीआरआई परिसर में संविरचित, स्थापित



आकृति 4: 25-30 घनमीटर कार्यक्षेत्र में स्थापित कर चालू करने हेतु नया वाटर मिस्ट एवं लो-ओडीपी अग्निशमन प्रणाली के विकास हेतु डिजाइन विवरण

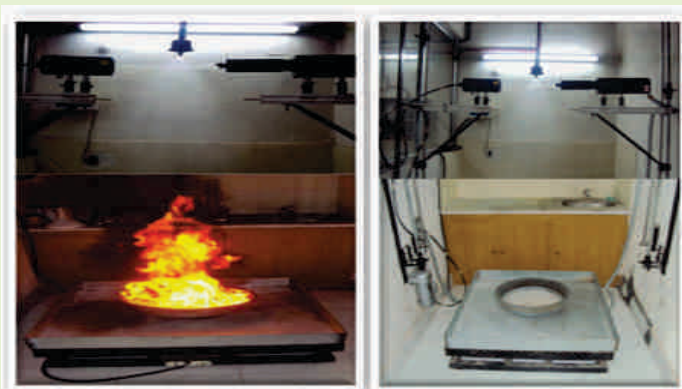
एवं चालू करने हेतु वाटर मिस्ट प्रौद्योगिकी पर आधारित मिनी वाटर मिस्ट फायर टेंडर के नए डिजाइन विवरण को अंतिम रूप दिया जा चुका है, जैसा कि आकृति 5 में दर्शाया गया है।

- ❑ श्रेणी ए/श्रेणी बी की अग्नि के लिए मान्य परिणामों के आधार पर उन्नत सामग्री संयोजन एवं प्रणाली डिजाइन तैयार करना:

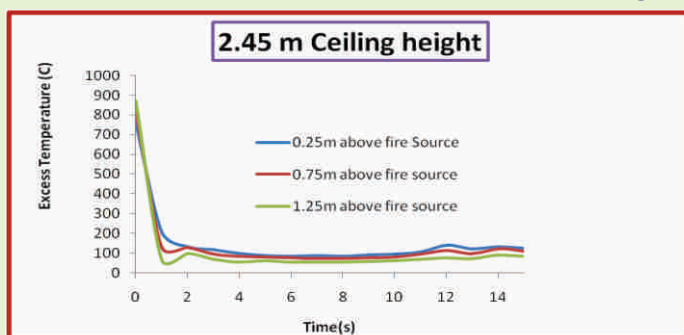


आकृति 5: सीएसआईआर-सीबीआरआई परिसर में संविरचित, स्थापित एवं चालू करने हेतु वाटर मिस्ट प्रौद्योगिकी पर आधारित मिनी वाटर मिस्ट फायर टेंडर के नए डिजाइन विवरण

श्रेणी ए / श्रेणी बी की अग्नि के लिए मान्य परिणामों के आधार पर 1000 वर्ग से.मी. आग को 10 से 15 सेकेंड में बुझाने वाला 95-100 प्रतिशत अग्निशमन प्रभावशीलता युक्त उन्नत जीरो



आकृति 6: 1000 वर्ग से.मी. आग की 10-15 सेकेंड में, 100 प्रतिशत बुझाने की क्षमता युक्त उन्नत जीरो ("0") ओडीपी अग्नि शमन सामग्री संयोजन के अग्नि शमन निष्पादन की प्रायोगिक पुष्टि।



आकृति 7: 2.45 मीटर छत ऊँचाई पर वाटर मिस्ट नोजल डिस्चार्ज के लिए 1000 वर्ग से.मी. अग्नि पर 10 से 15 सेकेंड में 100 प्रतिशत अग्नि शमन दक्षता के साथ एक उन्नत जीरो ("0") ओडीपी अग्निशमन सामग्री संयोजन के अग्निशमन निष्पादन की पुष्टि हेतु सीएफडी मॉडलिंग।



Fig. 3: An innovative 50-Litre capacity water-mist fire extinguisher

An innovative 50-Litre Capacity Water-Mist fire Extinguisher has been developed for combating the large-scale fires, as depicted in Fig.3.

- Design details for the development of Novel Water-Mist and/or Low ODP Extinguishant Fire Suppression System

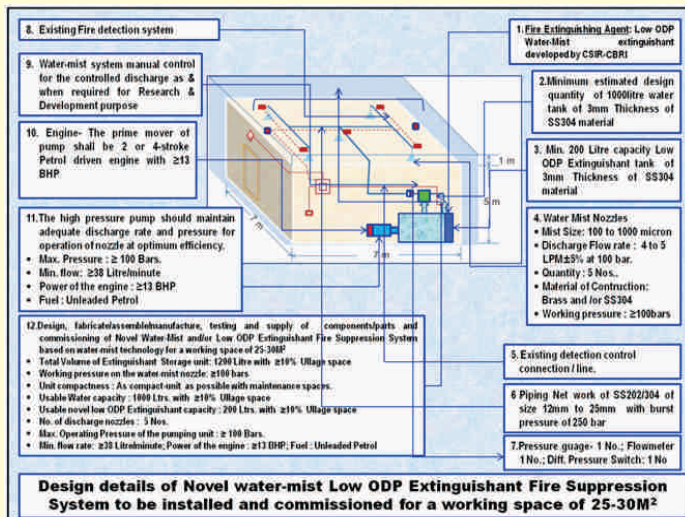


Fig. 4: Design details for the development of Novel Water-Mist and/or Low ODP Extinguishant Fire Suppression System based on water-mist technology to be installed and commissioned for a working space of 25-30M²

based on water-mist technology to be installed and commissioned for a working space of 25-30M² have been finalized as depicted in the following Fig. 4.

- Design details for the development of Novel Design details of Mini Water-Mist Fire Tender based on water-mist technology to be fabricated, installed and commissioned at CSIR-CBRI Premise have been finalized as depicted in the following Fig.5.
- **Preparation of innovative material composition and system design based on validated results for Class A/Class B fires:**
Innovative Zero ("0") ODP Fire Extinguishant material

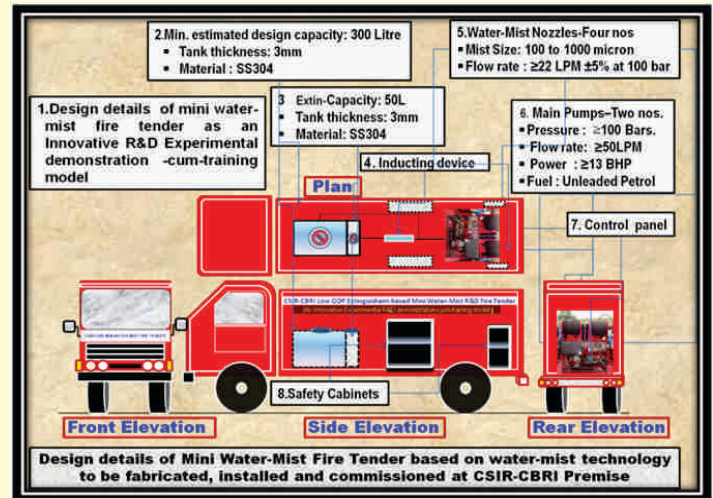


Fig. 5: Design details for the development of Novel Design details of Mini Water-Mist Fire Tender based on water-mist technology to be fabricated, installed and commissioned at CSIR-CBRI Premise

composition and system design based on validated results for Class A/Class B fires has been developed with 95-100% fire suppression efficiency in 10 to 15 s on 1000cm² fires, as shown in Fig. 6.

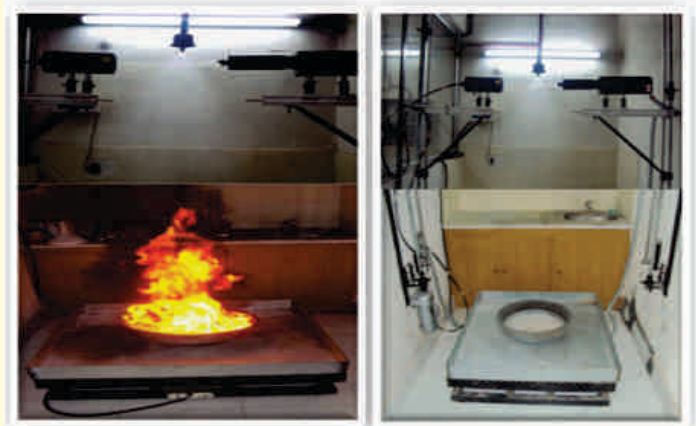


Fig. 6: Experimental validation of fire extinguishing performance of an Innovative Zero ("0") ODP Fire Extinguishant material composition with 100% fire suppression efficiency in 10 to 15 s on 1000cm² fires.

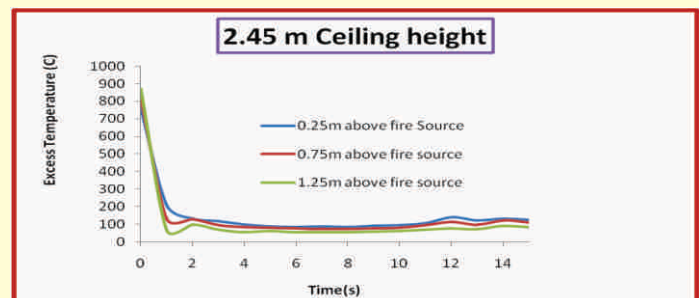
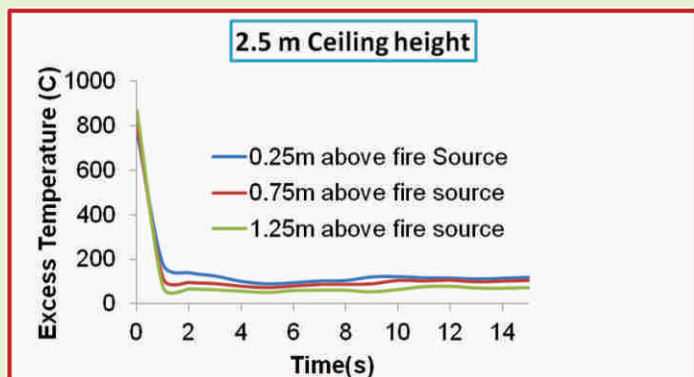


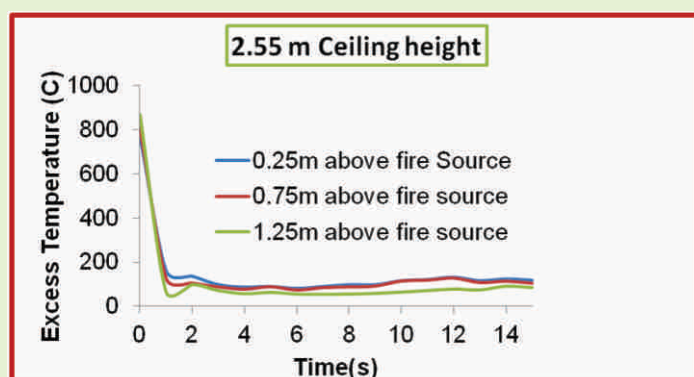
Fig. 7: CFD modelling for validation of fire extinguishing performance of an Innovative Zero ("0") ODP Fire Extinguishant material composition with 100% fire suppression efficiency in 10 to 15s on 1000cm² fires for a water-mist nozzle discharge at a ceiling height of 2.45m.



आकृति 8: 2.5 मीटर छत ऊँचाई पर वाटर मिस्ट नोजल डिस्चार्ज के लिए 1000 वर्ग से.मी. अग्नि पर 10 से 15 सेकेण्ड में 100 प्रतिशत अग्नि शमन दक्षता के साथ एक उन्नत जीरो ('0') ओडीपी अग्निशमन सामग्री संयोजन के अग्निशमन निष्पादन की पुष्टि हेतु सीएफडी मॉडलिंग।

(0) ओडीपी अग्निशमन सामग्री संयोजन एवं प्रणाली डिजाइन तैयार किया गया, जैसा कि आकृति 6 में दर्शाया गया है।

- **अग्नि अवस्था में वाटर मिस्ट अग्नि शमन प्रणाली के प्रभाव की सीएफ डी मॉडलिंग:** 2.45 मीटर, 2.50 मीटर तथा 2.55 मीटर छत ऊँचाइयों पर वाटर मिस्ट अग्नि शमन प्रणाली की परस्पर क्रिया सीएफडी मॉडलिंग की गयी जिससे इसे



आकृति 9 : 2.55 मीटर छत ऊँचाई पर वाटर मिस्ट नोजल डिस्चार्ज के लिए 1000 वर्ग से.मी. अग्नि पर 10 से 15 सेकेण्ड में 100 प्रतिशत अग्नि शमन दक्षता के साथ एक उन्नत जीरो ('0') ओडीपी अग्निशमन सामग्री संयोजन के अग्निशमन निष्पादन की पुष्टि हेतु सीएफडी मॉडलिंग।

5 से 10 सेकेण्ड के अग्नि नियंत्रण समय के साथ आग के तापमान को 90 से 100 डिग्री से. की सीमा में लाकर 100 प्रतिशत अग्निशमन दक्षता के साथ अग्निशमन समय 10 से 15 सेकेण्ड की पुष्टि होती है जैसा कि आकृति 7, 8 व 9 में दर्शाया गया है।

— आर. एस. चिमोटे

‘सबके लिए घर: सस्ते आवासों हेतु उन्नत प्रौद्योगिकी’ पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

देश में सरकार के राष्ट्रीय कार्यसूची के अनुसार ‘सबके लिए घर’ एक प्राथमिकता वाला क्षेत्र है जिसमें गरीब तबकों की आवश्यकताओं पर विशेष बल दिया गया है। सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने के लिए देश में उन्नत प्रौद्योगिकी की सहायता से सस्ते आवासों का निर्माण करना सर्वाधिक उपयुक्त योजना है। इसके लिए समुचित नियोजन, अभिकल्पन निर्माण विधियों, उन्नत सामग्रियों का उपयोग एवं प्रशिक्षित जनशक्ति की आवश्यकता है। सीएसआईआर-सीबीआरआई देश का एक अग्रणी संस्थान है जिसने पिछले दशकों में सस्ते आवासों के निर्माण हेतु उन्नत प्रौद्योगिकियाँ—मुख्यतः नियोजन एवं अभिकल्पन, भवन नींव एवं संरचना अभिकल्पन, बहु जोखिम रोधी निर्माण का अभिकल्पन, दक्ष एवं नई भवन निर्माण सामग्रियाँ आदि विकसित की हैं। देश के विभिन्न भागों में इन



प्रौद्योगिकियों का निदर्शन किया गया तथा मूल स्तर पर भवन निर्माण कार्य करने वालों को प्रशिक्षण देने के साथ-साथ व्यावहारिक अभ्यास कराया गया है। टिकाऊ भवन पर्यावरण निर्मित करने के लिए सीएसआईआर-सीबीआरआई जैसे विभिन्न संस्थानों द्वारा विकसित उन्नत प्रौद्योगिकियों को सस्ते आवासों के निर्माण में उपयोग करना आवश्यक है और इसके लिए राज्य/जिले के मूल स्तर पर भवन निर्माण का कार्य करने वालों के कौशल एवं क्षमता का विकास करना आवश्यक है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए व्यवसायियों को सस्ते आवासों के निर्माण में उन्नत प्रौद्योगिकियों का उपयोग करने हेतु प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है।

उन्नत प्रौद्योगिकी का उपयोग करके सस्ते आवासों के निर्माण हेतु प्रशिक्षित व्यवसायियों का एक पूल तैयार करने की आवश्यकता को महसूस करते हुए सीएसआईआर-सीबीआरआई रुड़की ने 14-16 अक्टूबर, 2015 को संस्थान के परिसर में, **‘सबके लिए घर-सस्ते**



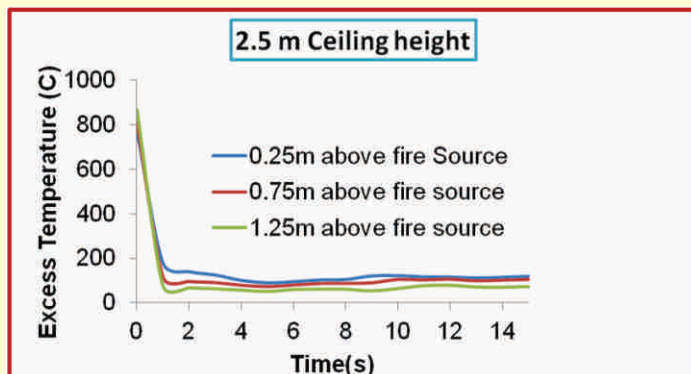


Fig. 8: CFD modelling for validation of fire extinguishing performance of an Innovative Zero ("0") ODP Fire Extinguishant material composition with 100% fire suppression efficiency in 10 to 15 s on 1000cm² fires for a water-mist nozzle discharge at a ceiling height of 2.5m.

- **CFD Modeling of interaction of water mist fire suppression system under Fire condition:** The CFD Modeling of interaction of water mist fire suppression system with 2.45m, 2.50m and 2.55m ceiling heights has been carried out which validates the experimental fire suppression time of

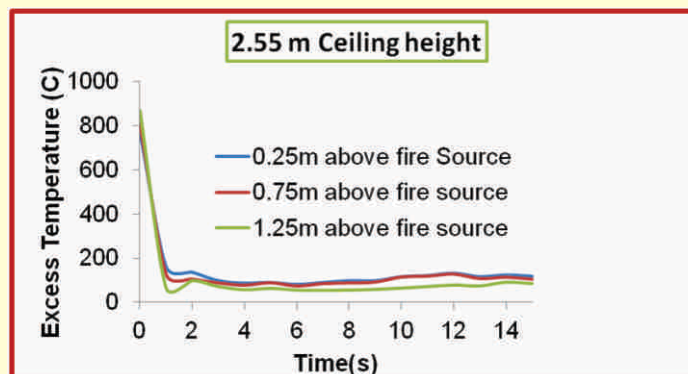


Fig. 9: CFD modelling for validation of fire extinguishing performance of an Innovative Zero ("0") ODP Fire Extinguishant material composition with 100% fire suppression efficiency in 10 to 15 s on 1000cm² fires for a water-mist nozzle discharge at a ceiling height of 2.55m.

5 to 10 seconds with 100% fire suppression efficiency by bringing down the fire temperature in the range of 90 to 100°C with fire control time from 5s to 10s as shown in the Figures 7, 8 and 9, respectively.

-R. S. Chimote

Training Course on

'Housing for All – Innovative Technology for Affordable Housing'

'Housing for All' is one of the priority areas with particular emphasis on the needs of the vulnerable groups as per the national agenda of governance in the country. The construction of affordable housing using innovative technologies is one of the most appropriate planning in the country to provide safe housing. This demands proper planning, design, construction methods, use of innovative materials and trained manpower. CSIR-CBRI is one of the leading institutions in the country which developed innovative technologies for construction of affordable houses during the last few decades mainly on planning and design, building foundation and structural designs, design of multi-hazard resistant construction, efficient and new building materials etc. These building technologies have been demonstrated and provided field level training on hands-on practice to the grass root level functionaries at different parts of the country. It is essential to construct affordable housing using innovative technologies developed by



different institutions like CSIR-CBRI for building sustainable built environment which demands development of skills and capacity among the administrative functionaries of the state/district for its systematic implementation. To achieve this, professionals need to be trained in the application of innovative technologies for the construction of affordable housing.

Recognizing the need to develop a pool of trained professionals in the construction of affordable housing using innovative technology, CSIR-Central Building Research Institute, Roorkee has conducted a three day Training course on "Housing for All – Innovative Technology for affordable Housing" during October 14-16, 2015 at its premises. This training course is particularly aimed at enhancing knowledge and developing skills of the Govt. officers to incorporate innovative technologies for the construction of affordable housing for sustainable built environment through lectures, demonstrations and hands-on exercises.





आवासों हेतु उन्नत प्रौद्योगिकी पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य व्याख्यान, निदर्शन एवं व्यक्तिगत अभ्यास द्वारा सरकारी अधिकारियों के ज्ञान एवं कौशल में वृद्धि करना था ताकि टिकाऊ भवन पर्यावरण हेतु सस्ते आवासों के निर्माण में उन्नत प्रौद्योगिकियों को शामिल किया जा सके।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 26 अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें लोक निर्माण विभाग से 7 इंजीनियर व 3 वास्तुविद, ग्रामीण निर्माण विभाग से 4 इंजीनियर, सर्व शिक्षा अभियान से 4 इंजीनियर, जिला ग्रामीण विकास प्राधिकरण के 2 अधिकारी, सीबीआरआई के 2 पीएच.डी. छात्र तथा जिला प्रशासन, जल संसाधन विभाग, नार्थ इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और श्रीमता वैष्णोदेवी विश्वविद्यालय से एक-एक अधिकारी ने भाग लिया।

श्री यादवेन्द्र पाण्डेय, कार्यवाहक निदेशक ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए देश में 'सबके लिए घर' के महत्व पर प्रकाश डाला तथा उन्नत प्रौद्योगिकियों द्वारा सुरक्षित एवं सस्ते आवास बनाने में सीबीआरआई के यथासम्भव सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के तकनीकी सत्रों में सीबीआरआई के व्याख्याताओं ने, संस्थान में विभिन्न परियोजनाओं में की गई अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों तथा परिणामों के आधार पर तकनीकी व्याख्यान दिए।



समापन सत्र की अध्यक्षता श्री यादवेन्द्र पाण्डेय, कार्यवाहक निदेशक ने की तथा श्री नरेन्द्र कुमार शंगारी, पूर्व वैज्ञानिक 'जी', सीबीआरआई समारोह के मुख्य अतिथि रहे। इस सत्र में प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना की तथा प्रतिक्रिया दी कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम से वे वैज्ञानिक ज्ञान को अद्यतन करने, सीबीआरआई के वैज्ञानिक समुदाय के तकनीकी सहयोग से प्रशासनिक एवं क्षेत्र स्तर अधिकारियों के माध्यम से भवन तकनीकों को अपनाने में सक्षम होंगे। साथ ही उन्होंने देश में सुरक्षित एवं सस्ते आवासों के निर्माण में समाज के हित में मूल स्तर पर ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं निदर्शन आयोजित करने का भी सुझाव दिया। समारोह के मुख्य अतिथि श्री नरेन्द्र कुमार शंगारी ने प्रशिक्षण एवं भवन प्रौद्योगिकी संबंधी ज्ञान प्रसार की महत्ता के विषय में बोलते हुए कहा कि इन प्रौद्योगिकियों को क्षेत्र स्तर पर अपनाने के लिए प्रशासनिक/क्षेत्र स्तर अधिकारियों तथा सीबीआरआई के वैज्ञानिकों के बीच ताल-मेल होना अत्यंत आवश्यक है। अन्त में श्री यादवेन्द्र पाण्डेय ने प्रशिक्षण अधिकारियों को, सीबीआरआई की ओर से हर प्रकार की तकनीकी सहायता, प्रशिक्षण एवं निदर्शन, आदि मूल स्तर/जिला/राज्य स्तर के अधिकारियों को उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरण के साथ सत्र का समापन हुआ।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

संस्थान में 26 से 31 अक्टूबर 2015 के बीच सतर्कता जागरूकता सप्ताह उत्साह एवं उल्लासपूर्वक मनाया गया। सप्ताह का आरम्भ उद्घाटन समारोह के साथ हुआ जिसमें श्री यादवेन्द्र पाण्डेय, कार्यवाहक निदेशक, सीएसआईआर-सीबीआरआई ने संस्थान के सभी कार्मिकों को शपथ दिलाई।

श्री अशोक कुमार, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक ने सप्ताह भर आयोजित

होने वाली गतिविधियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। जागरूकता सप्ताह का विषय **'पूर्व सतर्कता को कैसे सुशासन का औजार बनाया जाए'** को कार्मिकों, छात्रों, जनता एवं समाज के बीच सुग्राही बनाने हेतु इस दौरान कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इस अवसर पर श्री आर.एस. चिमोटे, मुख्य वैज्ञानिक, सीएसआईआर-सीबीआरआई द्वारा 30 अक्टूबर 2015 को 'पूर्व





Twenty six officers attended the Training Programme; out of which 07 Engineers and 03 Architect from PWD; 04 Engineers from Rural Works Department; 04 Engineers from Sarva Shiksha Abhiyan; 02 Officers from District Rural Development Authority; 02 PhD students from CBRI; and 01 officer each from District Administration, Water Resource Department, North India Institute of Technology & Shree Mata Vishnodevi University had attended.

Mr. Y. Pandey, Acting Director CBRI while inaugurating the course highlighted the importance of 'Housing for All' in the country and the possible technical contributions by CBRI in building the safe and affordable housing using innovative technologies. Subsequently, the technical sessions have been delivered by the in-house faculty of CSIR-CBRI based on the outcome of the R&D activities conducted under different projects.

The concluding session was chaired by Mr. Y. Pandey, Acting Director CBRI and Mr. N.K Shangari, Ex.-Scientist 'G', CBRI graced as Chief Guest of the function. During this session, course activities have been appraised and the participants have expressed their feedback that such kind of training programme



would enable in updating the scientific knowledge, adaptation of building technologies at grass root level by the administrators/field level officer with technical support of CSIR-CBRI scientific community. And also, they have requested CSIR-CBRI to organize training and demonstration programme at grass root level for the benefit of the society in construction of safe and affordable houses in the country. Further, Mr. N.K. Shangari chief guest of the function expressed the importance of the training and knowledge dissemination on building technologies for its implementation at field level is very much essential with the coordination among the administrator/field level officer and scientific community in building the sustainable nation. Mr. Y. Pandey, assured the trainee officers to provide all kind of technical support, trainings, demonstration made available to the grass root/district/state level functionaries. The session was concluded with the distribution of certificates to the participants.

Vigilance Awareness Week

The Vigilance Awareness Week was observed in the Institute from 26 to 31 October 2015 with zeal and delight. The week started with the Inaugural Ceremony in which the Pledge was administered by Mr. Yadvendra Pandey, Acting Director CSIR- CBRI to all the employees of the Institute.

Mr. Ashok Kumar, Senior Principal Scientist gave an overview of the week long activities to be organized. Various programmes were organized during the week to sensitize the employees, students, public and society at large on how Preventive Vigilance can be used as a tool of good Governance - the theme of the awareness week.

A lecture was delivered by Mr. R. S. Chimote, Chief Scientist, CSIR-CBRI on October 30, 2015 on "Preventive Vigilance as a Tool of Good Governance".

Other activities organized during the Vigilance Awareness Week includes debate competition for CSIR-CBRI staff, essay competition for students of 8th -12th standard for CSIR staff children and a poster competition for students studying in Roorkee.

An invited lecture was delivered by Shri R. Bharsakle, DGM (Vigilance) ONGC Dehradun on 30.10.2015 and he stressed on





सतर्कता, सुशासन का औजार' पर व्याख्यान दिया गया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान आयोजित अन्य गतिविधियों में सीएसआईआर-सीबीआरआई कार्मिकों के लिए वाद-संवाद प्रतियोगिता, सीएसआईआर-सीबीआरआई कार्मिकों के 8वीं से 12वीं तक अध्ययनरत बच्चों के लिए निबंध प्रतियोगिता तथा रुड़की में

अध्ययनरत छात्रों के लिए पोस्टर प्रतियोगिता शामिल हैं।

श्री आर. भरसाकले, उप महाप्रबंधक (सतर्कता) ओएनजीसी देहरादून ने 30 अक्टूबर, 2015 को आमंत्रित व्याख्यान दिया और उन्होंने पूर्व सतर्कता को सुशासन के औजार के रूप में अपनाने पर बल दिया। उन्होंने इस दिशा में ओएनजीसी देहरादून द्वारा उठाए गए कदमों का भी जिक्र किया।

श्री यादवेन्द्र पाण्डेय, कार्यवाहक निदेशक, सीएसआईआर-सीबीआरआई तथा श्री आर. भरसाकले, उप महाप्रबंधक (सतर्कता), ओएनजीसी देहरादून ने सभी पुरस्कार विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। अपने अध्यक्षीय भाषण में श्री यादवेन्द्र पाण्डेय ने कहा कि सुशासन के औजार के रूप में पूर्व सतर्कता, भ्रष्टाचार रोकने में प्रभावी रूप से सहायक हो सकती है। श्री आलोक शर्मा ने धन्यवाद प्रस्तुत किया और सप्ताह भर की गतिविधियों के आयोजन में सहयोग करने वाले सभी कार्मिकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

संवाददाता सम्मेलन

संस्थान की नवीन प्रौद्योगिकियों एवं विकास कार्यों से मीडिया के माध्यम से जनमानस को अवगत कराने हेतु 5 नवंबर, 2015 को सीएसआईआर-सीबीआरआई, रुड़की में एक संवाददाता सम्मेलन 'जन-संवाद' आयोजित किया गया।

अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में सीएसआईआर-सीबीआरआई के कार्यवाहक निदेशक, श्री यादवेन्द्र पाण्डेय ने बताया कि संस्थान का



उद्देश्य राष्ट्र की अपेक्षाओं के अनुरूप प्रौद्योगिकियाँ विकसित करना तथा प्रधानमंत्री की दूरदर्शी परियोजनाओं जैसे 'भेक-इन-इंडिया', 'नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा', 'हाउसिंग फॉर आल', 'स्वच्छ भारत अभियान' आदि के अनुसार कार्य करना है। उन्होंने 12-13 जून, 2015 को सीएसआईआर-भारतीय पेट्रोलियम संस्थान, देहरादून में आयोजित देहरादून घोषणा-पत्र में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों को संक्षेप में बताया। देहरादून घोषणा-पत्र में सीएसआईआर के 37 संस्थानों के निदेशकों ने भाग लिया और महानिदेशक, सीएसआईआर ने इसकी अध्यक्षता की थी। उन्होंने बताया कि संस्थान ने, अगले सात वर्षों में 40-45 वर्ग मीटर क्षेत्र के दो करोड़ सस्ते आवास निर्मित करने के प्रधानमंत्री के विजन को पूरा करने के लिए डिजाइन कार्य आरम्भ कर दिया है।

डॉ. अश्विनी कुमार मिनोचा, मुख्य वैज्ञानिक ने निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन पर संस्थान द्वारा किए गए कार्यों के विषय में

बताया। विभिन्न प्रकार के भवन घटक जैसे पेवर ब्लॉक, टाइलें, ईंटें आदि के उत्पादन में इन अपशिष्टों का उपयोग करने हेतु सीएसआईआर-सीबीआरआई रुड़की ने व्यापक अनुसंधान कार्य किया है। उन्होंने अद्यतन उड़नराख तकनीक तथा भवन सामग्रियों में इसके व्यापक उपयोग के विषय में भी बताया। उन्होंने संरचना में कम ऊर्जा खपत तथा ग्रीन हाउस प्रभावों को कम करने के उद्देश्य से किए जा रहे सुधारों के विषय में बताया।

डॉ. रजनी लखानी, प्रधान वैज्ञानिक ने पर्यावरण पर कोटा स्टोन के दुष्प्रभावों को दूर करने की तकनीक एवं इससे उपयोगी भवन सामग्री बनाने के विषय में बताया। कोटा स्टोन अपशिष्ट से पर्यावरण को भयंकर क्षति पहुंच रही है जिसके कारण वायु प्रदूषण, भूमि बंजर होने के अलावा पृथ्वी एवं जल में जीवों पर तथा मनुष्यों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ रहा है।

डॉ. बी. सिंह, मुख्य वैज्ञानिक ने भवन सामग्रियों में लकड़ी के उपयोग को कम करने की नवीनतम युक्तियों से अवगत कराया। उन्होंने भवन सामग्रियों जैसे दरवाजे आदि के लिए चावल की भूसी एवं प्लास्टिक से निर्मित पैन्लों को लकड़ी का विकल्प बताया। ये विकल्प दीमकरोधी होने के कारण दीर्घ अवधि तक टिकाऊ रहेंगे। इससे पूर्व, डा. अतुल कुमार अग्रवाल, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, ने प्रेस प्रतिनिधियों का स्वागत किया तथा सीबीआरआई सहकर्मियों से परिचय करवाया।

इस प्रेस वार्ता में अमर उजाला, दैनिक जागरण, हिंदुस्तान, राष्ट्रीय संहारा, पंजाब केसरी, उत्तरांचल दीप, जन भारत मेल, आवाम-ए-हिन्द तथा शाह टाइम्स आदि के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।





using Preventive Vigilance as a tool of good Governance. He also mentioned the initiatives taken by ONGC, Dehradun in this direction.

Prizes were given to all the winners by Mr. Y. Pandey, Acting Director CSIR-CBRI and Sh. R. Bharsakle, DGM (Vigilance) ONGC Dehradun. Mr. Y. Pandey in his presidential address stressed on how preventive vigilance as a tool of good governance is useful to get positive effects on combating corruption. Mr. Alok Sharma presented the vote of thanks and acknowledged everyone who directly or indirectly helped in organizing the week long activities.

Press Meet

A press meet 'Jan Sanvad' was organized at CSIR-CBRI on 5th November, 2015 to apprise about the new technologies and development of the institute to the public.

In his Presidential addresses, Mr. Y. Pandey, Acting Director, CSIR-CBRI informed that the institute aims to develop the latest technologies corresponding to the requirements of the nation and work in accordance with the Prime Minister's visionary projects

CSIR. He informed that the institute has started design work as per the PM's vision to build two crore affordable houses of 40- 45 square meter area within the next seven years.

Dr. A.K. Minocha, Chief Scientist, informed about the institute's work in Construction & Demolition waste management. Considerable amount of research work has been carried out at CSIR-CBRI, Roorkee to utilize these wastes for production of different building components such as paver blocks, tiles, bricks etc. He also informed about the latest fly ash technique and its extensive works in the production of building material. He told that improvements are being made with the goal that structure consume less energy and impact of green house be minimized.

Dr. Rajni Lakhani, Principal Scientist, briefed about the technique to eradicate the negative effect of Kota Stone waste on environment and utilize it to develop useful building materials. Kota Stone waste had presented a great threat to the environment causing air contamination, barren soil, and negative effect on terrestrial and aquatic life and human health.

Dr. B. Singh informed about the most recent strategy to minimize the utilization of wood in building materials. He discussed rice



such as 'Make in India', 'National Mission for Clean Ganga', 'Housing for all', 'Swachh Bharat Abhiyan' etc. He briefed about the important decisions taken in the Dehradun Declaration held at CSIR-Indian Institute of Petroleum in Dehradun during 12-13, June 2015. The Dehradun Declaration was gone to by the directors of all the 37 institute of CSIR and headed by the Director General



husk and plastic as an alternative for wood for building materials etc. These alternatives would be termite resistant so would last more. In the begining Dr. Atul Kumar Agarwal, Senior Principal Scientist, welcomed the Press Representatives and introduced with CBRI colleagues.

Press representatives from Amar Ujala, Dainik Jagran, Hindustan, Rastriya Sahara, Punjab Kesari, Uttaranchal Deep, Jan Bharat Mail, Awaam-e-Hind and Shah Times etc. have attended the meet .

दिवाली मेला उत्सव

सीएसआईआर-सीबीआरआई तथा शांतिनगर महिला क्लब द्वारा संयुक्त रूप से 5 नवंबर, 2015 को शांतिनगर कालोनी ग्राउण्ड में दिवाली मेले का आयोजन किया गया। श्री यादवेन्द्र पाण्डेय, कार्यवाहक निदेशक, सीएसआईआर-सीबीआरआई ने मेले का



महत्व को समझा। अन्त में आतिशबाजी सत्र देखकर सभी लोग मंत्रमुग्ध रह गए।

संविधान दिवस

संस्थान ने 26 नवंबर, 2015 को डा. भीमराव अम्बेडकर का 125वाँ जन्म दिन संविधान दिवस के रूप में मनाया। डा. अम्बेडकर की अध्यक्षता में प्रारूप समिति ने संविधान निर्माण कर देश की अनन्य सेवा की, जिसे 26 नवम्बर, 1949 को राष्ट्र द्वारा अंगीकार किया गया तदनुसार, सीएसआईआर-सीबीआरआई ने संविधान की 'प्रस्तावना' का पाठ करके इस दिवस को मनाया। यह आयोजन रविंद्रनाथ टैगोर सभागार में समस्त कार्मिकों के साथ किया गया।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

सीएसआईआर-सीबीआरआई द्वारा राष्ट्रीय सहकारी आवास संघ (एनसीएचएफ), नई दिल्ली की सदस्य समितियों को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 30 नवंबर, 2015 को सीएसआईआर-सीबीआरआई, रुड़की में श्री यादवेन्द्र पाण्डेय, कार्यवाहक निदेशक, सीएसआईआर-सीबीआरआई तथा डॉ. एम. एल. खुराना, सलाहकार, राष्ट्रीय सहकारी आवास संघ (एनसीएचएफ) नई दिल्ली ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।



Diwali Mela Celebration

The Diwali Mela was organized jointly by CSIR-CBRI Staff club and Shanti Nagar Ladies Club, Roorkee on 5th November, 2015 at Shanti Nagar Colony ground. Mr. Yadvendra Pandey, Acting Director, CSIR- CBRI inaugurated the Mela and visited the stalls



organized by member of CBRI Ladies Club. Stalls offering wide variety of delicious traditional food were well appreciated. This annual festival has fun for the entire CBRI family. Activities like Garba Dance, Tambola, and Lucky Dip etc. were also appreciated by audience and judges. Prizes were distributed to the winners of



all the competitions including Lucky Dip. Viewers appreciated the whole programme and perceived the importance of “Festival of Light” in life. In the end Fireworks Session was also prevailed and it makes to all people stunned for an instance.

Constitution Day

The institute celebrated 125th Birth Anniversary of Dr. B.R. Ambedkar and observed Constitution Day on 26th November, 2015. The drafting Committee led by Dr. Ambedkar did yeoman service to the nation in presenting the Constitution which was adopted on 26th November, 1949. Accordingly, CSIR-CBRI celebrated the day by reading out the 'Preamble' to the Constitution of India. The event was celebrated in the Ravinder Nath Tagore Auditorium in the presence of all staff members.

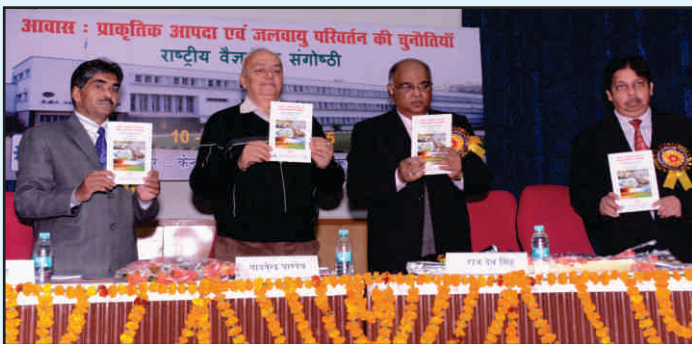
MoU Signed

Shri Y. Pandey, Acting Director, CSIR-Central Building Research Institute (CSIR-CBRI) and Dr. M.L Khurana, Advisor, National Cooperative Housing Federation (NCHF), New Delhi signed an Memorandum of Understanding on November 30, 2015 at CSIR-CBRI, Roorkee to provide Science & Technology Support by CSIR-CBRI, Roorkee to Member Societies of the National Cooperative Housing Federation (NCHF), New Delhi.



राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी

भारत की भौगोलिक स्थिति के कारण यहाँ पर सभी प्रकार की प्राकृतिक आपदाएँ जैसे भूकम्प, भूस्खलन, बाढ़, चक्रवात आदि आते रहते हैं। इन आपदाओं से प्रतिवर्ष अरबों रुपये की आर्थिक क्षति के साथ-साथ हजारों लोगों की जान चली जाती है। इन प्राकृतिक आपदाओं को रोकना तो सम्भव नहीं है परंतु हम थोड़े से प्रयास से आवासों एवं नगरों का नियोजन करके इनसे होने वाली क्षति को न्यूनतम कर सकते हैं। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से भारत ही नहीं अपितु पूरा विश्व प्रभावित है। इसके कारण भूस्खलन, भूकम्प एवं बाढ़ आदि की घटनाओं में भारी वृद्धि हुई है जिनका सीधा प्रभाव आवासों में रहने वाले लोगों पर पड़ता है। इस बदलते परिवेश में आवास का स्वरूप भी बदलना अवश्यभावी है।



वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुसंधान को प्रयोगशालाओं के दायरे से बाहर निकालकर आम आदमी तक पहुँचाना और जनमानस में जीवन को गुणवत्ता प्रदान करने वाली तकनीक की स्वीकार्यता को बढ़ाना हमेशा एक चुनौती रहा है। इसी बात को ध्यान में रखते हुये, सीएसआईआर-केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआई) रुड़की में 'आवास: प्राकृतिक आपदा एवं जलवायु परिवर्तन की चुनौतियाँ' विषय पर एक राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन 10 एवं 11 दिसंबर, 2015 को किया गया। राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी का उद्घाटन राष्ट्रीय जल-विज्ञान संस्थान रुड़की के निदेशक डॉ. राज देव सिंह ने दीप-प्रज्वलन के साथ किया। डॉ. सिंह ने अपने सम्बोधन में जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली आवासीय चुनौतियों पर विचार रखे। उन्होंने कृषि योग्य भूमि को बचाने के लिये बहुमंजिला भवनों के निर्माण पर जोर दिया।

संस्थान के कार्यवाहक निदेशक श्री यादवेन्द्र पांडेय ने आवास से जुड़ी प्राकृतिक आपदाओं एवं जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिये पहले से ही तैयारी करने का आह्वान किया।



डा. पी.के.एस. चौहान, संगोष्ठी के संयोजक ने जानकारी दी कि यह वैज्ञानिक संगोष्ठी, संघ की राजभाषा 'हिन्दी' में आयोजित की गई, जिसमें निम्नलिखित विषयों पर लेख प्रस्तुत किए गये—

- 'प्राकृतिक आपदाएं एवं आवास'
- 'जलवायु परिवर्तन एवं आवास'
- 'सांस्कृतिक स्मारकों का संरक्षण'
- 'हाल के ज्वलंत उदाहरण' एवं
- 'भविष्य के आवास'

संगोष्ठी में पूणे, मुंबई, श्रीनगर (गढ़वाल) दिल्ली, देहरादून तथा रुड़की के वैज्ञानिक एवं अभियंता शामिल हुए। संगोष्ठी में कुल 5 तकनीकी सत्रों में 10 आमंत्रित व्याख्यान व लगभग 30 शोध पत्र प्रस्तुत किये गये।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि सीबीआरआई की अनुसंधान परिषद् के सदस्य एवं आई आई टी रुड़की, रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग के प्रोफेसर बिकाश मोहन्ती ने अपने सम्भाषण में प्राकृतिक आपदाओं के लिये पूर्व चेतावनी प्रणाली विकसित करने के लिये शोध करने पर जोर दिया। संस्थान के कार्यवाहक निदेशक श्री यादवेन्द्र पांडेय ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में सांस्कृतिक स्मारकों के संरक्षण



में संस्थान द्वारा किये गये कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने आवास के क्षेत्र में देश में होने वाले भविष्य के निर्माण कार्यों में संस्थान की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

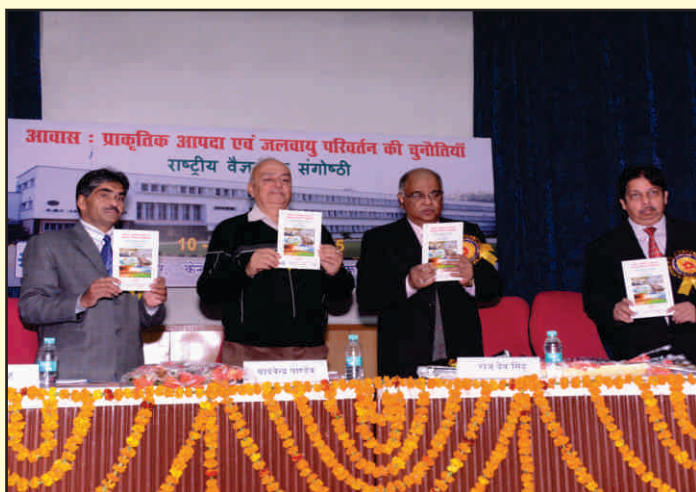
समापन समारोह में हिन्दी में उत्कृष्ट कार्य करने के लिये "वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना" के विजेताओं को पुरस्कार भी वितरित किए गए।

इस वैज्ञानिक संगोष्ठी, का आयोजन प्रौद्योगिकीविदों एवं प्रयोक्ताओं को साझा मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया गया। इस कार्य के लिए जनभाषा हिंदी को माध्यम बनाया गया, ताकि संगोष्ठी में हुए चिंतन को आम जन तक पहुँचाकर सार्थक स्वरूप प्रदान किया जा सके।

National Science Symposium

A two-day National Science Symposium in Hindi on “Housing: Challenges of Natural Disaster & Climatic Change”, was organised at CSIR-CBRI from 10th to 11th December, 2015. The objective of the symposium was to observe new challenges being posed by natural disasters and climate change to the housing structures and means to forestall them with the newly developed techniques.

Dr. Raj Dev Singh, Director, National Institute of Hydrology, Roorkee graced the occasion as the Chief Guest for the Inaugural Ceremony and Mr. Yadvendra Pandey, Acting Director, CSIR-CBRI presided over the function. Dr. P.K.S. Chauhan, Organising Secretary presented the theme of the Symposium.



Addressing the gathering, Dr. Raj Dev Singh, Director, National Institute of Hydrology, Roorkee discussed the complications caused by the climate change to the housing structures. He emphasized the need to build high-rise buildings to conserve agricultural land.

Mr. Yadvendra Pandey, in his Presidential Address highlighted the contribution of CSIR-CBRI towards the development of the country, research and development on all aspects of housing and assistance to the building industry, including disaster mitigation in all kinds of buildings, environment preservation, energy



conservation and conservation of nationally important heritage structures. He stressed upon the need of advance preparation against undue damage caused by natural disaster and climate change. He said that incorporating the scientific and technical research in the society and expanding its acceptance in public i.e. lab to land is a challenge and a great deal of efforts are needed to achieve this goal.

Prof. Bikash Mohanti, Department of Chemical Engineering, IIT Roorkee, Chief Guest of the Valedictory Function and Member of the Research Council, CSIR-CBRI, in his address, advised the scientists to develop new techniques for early warning of natural disasters, to ensure better application of safety precautions and mitigation techniques.

The Symposium was organized and conducted in Hindi. Scientists and engineers from Mumbai, Pune, Srinagar (Garhwal), Delhi, Dehradun and Roorkee attended the event. During five technical sessions, 10 invited lectures and 30 papers were presented on various topics including Housing & Natural Calamities, Climate Change & Housing, Conservation of Cultural Heritages, Future Housing etc. with many vivid recent examples and case studies.



On this occasion, the employees were encouraged for successful integration of Hindi for all official purposes and awarded under Scientific Incentive Plan. The aim of organising the Symposium was to provide a platform to discuss the issues in Hindi.



कार्मिक समाचार/Staff News

सम्मेलन प्रतिभागिता

डॉ. (श्रीमती) आभा मित्तल ने, 18-20 दिसम्बर, 2015 के दौरान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की के सहारनपुर परिसर में, 'सॉफ्ट कम्प्यूटिंग फॉर प्रोब्लम सोल्विंग, 2015' पर 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

Conference Attended

Dr. (Mrs.) Abha Mittal attended 5th International Conference on Soft Computing for Problem Solving (SocPros-2015) during 18th to 20th December 2015 at IIT, Roorkee, Saharanpur Campus and chaired one technical session.

पदोन्नति

| | | |
|-----------------------|-------------------------|------------|
| डॉ. आर. धर्मराजु | वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक | 28.09.2009 |
| डॉ. लोक प्रताप सिंह | प्रधान वैज्ञानिक | 27.04.2012 |
| डॉ. राजेश कुमार वर्मा | प्रधान वैज्ञानिक | 01.04.2013 |

Promotion

| | | |
|----------------------|----------------------------|------------|
| Dr. R. Dharamraju | Senior Principal Scientist | 28.09.2009 |
| Dr. L.P. Singh | Principal Scientist | 27.04.2012 |
| Dr. Rajesh Kr. Verma | Principal Scientist | 01.04.2013 |

सेवानिवृत्ति

| | | |
|---------------------|----------------|------------|
| श्री विजय कुमार | ड्राइवर | 31.10.2015 |
| श्री अनिल कुमार जैन | तकनीकी अधिकारी | 30.11.2015 |
| श्री राजेन्द्र सिंह | ड्राइवर | 31.12.2015 |
| मौ. याकूब अली | तकनीशियन | 31.12.2015 |

Superannuation

| | | |
|---------------------|---------------|------------|
| Sh. Vijay Kumar | Driver | 31.10.2015 |
| Sh. Anil Kumar Jain | Tech. Officer | 30.11.2015 |
| Sh. Rajendra Singh | Driver | 31.12.2015 |
| Md. Yakub Ali | Tech. | 31.12.2015 |

स्थानांतरण

| | | |
|-------------------|----------------------------|------------|
| श्री एस. पी. सिंह | भंडार एवं क्रय अधिकारी | 30.10.2015 |
| | सीएसआईआर-सीएसआईओ, चंडीगढ़ | |
| श्री आलोक शर्मा | प्रशासनिक अधिकारी | 20.11.2015 |
| | सीएसआईआर-आईएचबीटी, पालमपुर | |
| श्री अनिल कुमार | प्रशासन नियंत्रक | 27.11.2015 |
| | सीएसआईआर-आईआईटीआर, लखनऊ | |

TRANSFER

| | | |
|-----------------|--------------------------|------------|
| Sh. S.P. Singh | Store & Purchase Officer | 30.10.2015 |
| | CSIR-CSIO, Chandigarh | |
| Sh. Alok Sharma | Admn. Officer | 20.11.2015 |
| | CSIR-IHBT, Palampur | |
| Sh. Anil Kumar | Controller of Admn. | 27.11.2015 |
| | CSIR-IITR, Lucknow | |

निधन

| | | |
|---------------|--------|------------|
| श्री धरम सिंह | एमटीएस | 23.11.2015 |
|---------------|--------|------------|

Obituary

| | | |
|------------------|-----|----------|
| Sh. Dharam Singh | MTS | 23.11.15 |
|------------------|-----|----------|

सम्पादक / Editor

डा. अतुल कुमार अग्रवाल/Dr Atul Kumar Agarwal

वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक / Senior Principal Scientist

हिन्दी अनुवाद - श्री सूबा सिंह, हिन्दी अधिकारी

विस्तृत जानकारी हेतु सम्पर्क सूत्र/For further details, please contact:

निदेशक/Director

सीएसआईआर-केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान / CSIR-Central Building Research Institute

रुड़की-247 667 (उत्तराखण्ड) भारत / Roorkee-247 667 (Uttarakhand) India

फोन/Phone: 01332-272243; फैक्स/Fax: 01332-272543, 272272;

ई-मेल/E-mail: director@cbrimail.com; वेबसाइट/Website: www.cbri.res.in

